सत्र 2026–27
पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन
कक्षा–12
विषय–संगीत गायन

क्रमांक	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	**(क)** श्रुतियॉ वीणा के 36'' तार पर शुद्ध स्वरों का स्थान। **(ख)** राग वृन्दावनी सारंग–विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय आरोह–अवरोह, पकड़, आलाप छोटाख्याल, बड़ाख्याल स्वरलिपि सहित उचित आलाप, तान, मुर्की एवं अन्य लयपूर्ण तालबद्ध विस्तारण के साथ गाने की योग्यता।
2	मई	**(क)** अंश, न्यास, अल्पत्व–बहुत्व, तान एवं तान के प्रकार। **(क)** उत्तर राग, पूर्व राग, सन्धि प्रकाश राग, आश्रय राग, परमेल प्रवेशक राग। **(ख)** गायन शैलियॉ और उनके प्रकार–ध्रुपद, धमार, ख्याल (बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल), टप्पा, ठुमरी, तराना। ग्रीष्मावकाश पर गृहकार्य जिस पर 10 अंक यूनिट टेस्ट अगले जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में होगा **MCQ** के साथ जुड़ेगा।
3	जून	**ग्रीष्मावकाश**
4	जुलाई	**(ख)** राग दुर्गा का सामान्य अध्ययन–पूर्ण परिचय, आरोह–अवरोह, पकड़, छोटा ख्याल स्वरलिपि सहित लिखने एवं गाने तथा राग पहचानने का अभ्यास। **(क)** हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत पद्धतियों के स्वरों एवं श्रुतियों का तुलनात्मक अध्ययन। **–द्वितीय सप्ताह में (MCQ आधारित) प्रथम यूनिट टेस्ट 10 अंक का तथा मई माह में ग्रीष्मावकाश पर दिये गये गृह कार्य पर 10 अंक कुल मिलाकर 20 अंक का यूनिट टेस्ट होगा।** **(ख)** स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास और भेद कठिन अलंकारों की रचना।
	अगस्त	**(ख)** राग केदार का विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, छोटा ख्याल, बड़ा ख्याल स्वरलिपि सहित उचित, आलाप, तान मुर्की एवं अन्य लयपूर्ण तालबद्ध विस्तारण के साथ गाने की योग्यता। **(ख)** तीनताल और झपताल का परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारियों को लिखने, बोलने व हाथ पर लगाने का ज्ञान।

		(क) तान और तान के प्रकार। **द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह। 20 अंक**
6	सितम्बर	**(क)** सचित्र तानपूरे के विभिन्न अंगों का ज्ञान एवं तानपूरे की मिलान विधि, उसके अधि स्वर आदि। **(ख)** राग पूर्वी का सामान्य अध्ययन पूर्ण परिचय आरोह–अवरोह, पकड़, छोटा ख्याल स्वरलिपि सहित लिखने व गाने का ज्ञान। **(ख)** ग्वालियर घराने की विशेषता। **(ख)** एकताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन व चौगुन की लयकारी लिखने, बोलने तथा हाथ पर लगाने का ज्ञान। **(क)** उत्तर तथा दक्षिण भारत के थाटों का वर्गीकरण और उससे रागों की उत्पत्ति।
7	अक्टूबर	**(ख)** संगीत सम्बन्धी निबन्ध। **(ख)** राग जौनपुरी का विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय, आरोह–अवरोह, पकड़, बड़ख्याल, छोटा ख्याल, आलाप, तान गाने तथा लिखने का ज्ञान। **(ख)** पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे एवं पण्डित विष्णु दिगम्बर जी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रम के रागों की विशेषतायें। **(ख)** चारताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारी लिखने, बोलने व हाथ पर लगाने की क्षमता। **(ख)** प्रयोगात्मक–रागों के गीतों में कम से कम एक धमार गीत, एक विलम्बित ख्याल व एक तराना होगा। धमार में दुगुन, तिगुन व चौगुन की लयकारी होने की क्षमता होनी चाहिये। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन (लगभग 60% पाठ्यक्रम के आधार पर)**
8	नवम्बर	**(ख)** भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास– मध्यकाल एवं आधुनिक काल। **तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह। 20 अंक**
9	दिसम्बर	**(ख)** राग हमीर का सामान्य अध्ययन–परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़, छोटा ख्याल, स्वरलिपि सहित लिखने व गाने का अभ्यास। **(ख)** पण्डित गोपाल नायक, पं0 जसराज, एम0एस0 सुबालक्ष्मी का जीवन परिचय एवं संगीत क्षेत्र में उनका योगदान। **(ख)** धमारताल पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी लिखने, बोलने व हाथ पर लगाने का ज्ञान। **(ख)** राग पहचान विभिन्न स्वर समूहों द्वारा। **चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम**

		सप्ताह। 20 अंक
10	जनवरी	**(ख)** पाठ्यक्रम के सभी रागों व तालों की पुनरावृत्ति। **(क)** उसके साथ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। ——प्री बोर्ड लिखित परीक्षा का आयोजन। ——पढ़ाये गये पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। ——प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।
11	फरवरी	बोर्ड की लिखित परीक्षा का आयोजन।